Dainik Jaghran - New Delhi-21-03-2011

समय प्रबंधन से मिलेगी सफलता

सीबीएसई परीक्षा 2011

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा से पूर्व का समय काफी महत्वपूर्ण होता है। वक्त कभी लौट कर नहीं आता है। इसलिए छात्र जितना कर सकते हैं, इस वक्त का सदुपयोग कर लें। यही बोर्ड की परीक्षा आपकी जिंदगी का आधार तय करेगी। परीक्षा के दौरान समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। सभी विषयों को बराबर-बराबर समय दें क्योंकि सभी विषय समान नंबर के होते हैं। सभी में अच्छे नंबर आने पर ही आपके कुल नंबर बढ़ेंगे। परीक्षा में लिखने की अच्छी कला भी विकसित करें ताकि बेहतर अंक का मार्ग प्रशस्त हो सके'। यह कहना है कि 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 94 फीसदी अंक हासिल कर माउंट आबू पब्लिक स्कूल, रोहिणी सेक्टर-पांच के टॉपर रहे प्रतीक कुमार का। उसने परीक्षा की तैयारी में लगे छात्रों को कई टिप्स दिए।

पिछले साल 12वीं में 94 फीसदी अंक हासिल कर स्कूल टॉपर रहे प्रतीक कुमार ने तैयारी को लेकर दिए टिप्स

जमकर करें मेहनत, यही समय है खास

बोर्ड परीक्षा और इसमें आए नंबर से ही आगे का रास्ता निर्धारित होता है। लिहाजा इसकी तैयारी में कोई कोर-कसर नहीं छोड़नी चाहिए। छात्रों की क्षमता पर निर्भर करता है कि वह कितनी देर में विषय को कवर कर लेता है। उसका मानना है कि रोज आठ से 10 घंटे की पढ़ाई करनी चाहिए और हल्का फुल्का मनोरंजन भी करें।

एनसीईआरटी किताब ही सबसे अच्छा

सीबीएसई की दसवीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए सबसे बेहतर एनसीईआरटी किताब ही रहता है। उसने भी पूरे साल एनसीईआरटी की किताब से ही तैयारी की थी और अच्छे नतीजे सामने आए। इस लिए अन्य किताबों के चक्कर में न पड़ें।

पूरे विषय की पढ़ाई करें

बोर्ड की परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्र हमेशा आने वाले प्रश्नों के बारे में शिक्षकों या विशेषज्ञों से पूछते रहते हैं और उन्हीं पर दिमाग केंद्रित रखते हैं। यह गलत है, चुन चुन की पढ़ना बंद करें व संपूर्ण पर ध्यान लगाएं।

सीबीएसई के सैंपल पेपर बनाएं

सीबीएसई के सैंपल पेपर को खूब बनाएं। इससे प्रश्न याद होंगे और बोर्ड परीक्षा में पूछे जाने वाले सवालों के बारे में जानकारी हो जाएगी।

शिक्षकों के संपर्क में जरूर रहें

बोर्ड की तैयारी कर रहे छात्रों को शिक्षकों के संपर्क में जरूर रहना चाहिए। शिक्षक समय-समय पर कुछ ऐसे टिप्स देते हैं, जो मील का पत्थर साबित होते हैं।

प्रस्तुति : विभूति कुमार रस्तोगी

क्वेश्चन बैंक को बार-बार बनाएं, मिलेंगे पूरे नंबर

आज कंप्यूटर इंजीनियर की मांग देश-दुनिया में बढ़ रही है। 12वीं के बाद इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षा पास करने वाले अधिकतर छात्र सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहते हैं। अगर 12वीं में कंप्यूटर साइंस की ठीक से तैयारी की जाए तो उसमें बेहतर नंबर आ सकते हैं। राजधानी के एक स्कूल की प्रिंसिपल व कंप्यूटर साइंस की शिक्षिका ज्योति अरोड़ा ने छात्रों को तैयारी से संबंधित टिप्स दिए।

कुछ चैप्टर को ठीक ढंग से तैयार करें : कंप्यूटर साइंस में उप्स कांसेप्ट, इरेज, स्टक एंड क्वीजेज से संबंधित पाठों को बहुत ही अच्छी तरह से तैयार करें। अधिकतर प्रश्न इन्हीं में से पूछे जाते हैं। यह टिप्स उनके लिए अधिक मददगार साबित होगा, जो पूरे साल पढ़ाई नहीं कर पाए हैं।

लक्ष्य को निर्धारित करें : लक्ष्य निर्धारित कर नियमित रूप से पढ़ाई करें। उन प्रश्नों पर विशेष फोकस करें जो अधिक अंक वाले हैं। पढ़ते समय उन पाठों पर विशेष ध्यान केंद्रित करें जो आपको कठिन लगते हैं।

लॉजिकल प्रश्नों को अच्छी तरह करें : उन प्रश्नों पर अधिक ध्यान दें जो लॉजिकल हैं। इससे छात्रों की तार्किक क्षमता की जांच भी हो जाएगी।

12वीं में कंप्यूटर साइंस की तैयारी पर शिक्षिका ज्योति अरोड़ा ने दिए टिप्स

बीत साल के प्रश्नपत्रों को खूब बनाएं : कंप्यूटर साइंस के पेपर की तैयारी करने में मजबूत पक्ष यह है कि बीते पांच सालों में पूछे गए प्रश्नपत्रों को अधिक से अधिक बार बनाएं। इनसे ही अधिकतर प्रश्न पूछे जाते हैं।

इनकी विशेष तैयारी करें : आउटपुट फाइंडिंग और एरर फाइंडिंग के प्रश्नों का अधिक से अधिक अभ्यास करें, क्योंकि इनमें छात्र सबसे अधिक गलतियां करते हैं।

जितना पूछा जाए, उतना ही उत्तर दें : कंप्यूटर साइंस में प्रोग्राम से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते समय यह ध्यान रखें कि प्रश्न में जितनी बात पूछी जाए उतना ही उत्तर दें। नाहक शब्दों की संख्या को न बढ़ाएं। ऐसे प्रश्नों में फंक्शन लिखना अनिवार्य है।

प्रैक्टिकल के लिए भी ध्यान रखें : प्रैक्टिकल में पूरे अंक प्राप्त करने के लिए प्रोजेक्ट का विषय वही चुने जिनमें आपकी गहरी रुचि हो।

परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न की सीमा

1 अंक वाले प्रश्न : 2 मिनट
2 अंक वाले प्रश्न : 4 मिनट
3 अंक वाले प्रश्न : 5 मिनट
4 अंक वाले प्रश्न : 8 मिनट